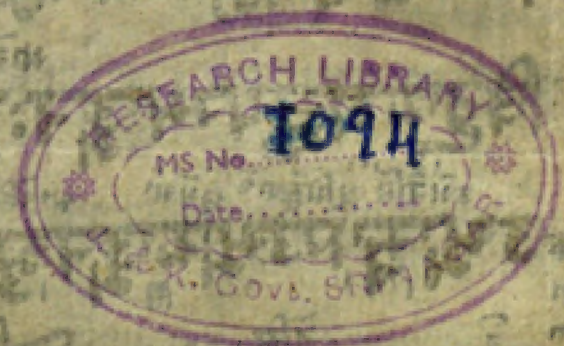


1094

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



जमुसि

श्रीगुरुवेनमः॥ श्रीगल सायनमः ॥

सिमदभजकुपरभगदुमयः पद्मप

विद्वामयसुपरभादुनः अभदुनः ॥

उभदुनः उभदुनः उभदुनः उभदुनः ॥

त्र। मुकसा सुय चय रयि रयि रयि रयि ॥

पुषिवी। पुषिवी। पुषिवी। पुषिवी। पुषिवी। ॥

भजदुनः उभदुनः पुनधः ॥ उहवंपुषि ॥

वृपुणावायगकम उदियाष्ट दके ॥

वृष्टिगृहभदुनः उभदुनः उभदुनः ॥ यदु ॥

विद्वामपुषिवी। यदुवंपुनधः ॥ यदु ॥

पुंडमयिः यदुलनंतदुयः ॥ यदुवि ॥

जगद्विभक्त  
उभेभाकभा  
नमि उभरि

मदपद  
सुख

उभेभु गे मदीकम

उभेभुः कि पागवरे पूर्वकिं दधानभापि ॥ दिववरे

रंउमकमभा॥ उउपुषिवीणरले मु

पः पिफीकरले लामनम। उराः पमने

पूकामनम। वयवृद्वनमलमाकम

भवकामनम। मुकामभूकलक ॥ वि

लकले वायः ॥ विलकले उराः मुस

उलकले ॥ पद्मलकले पुषिवी ॥

मदुपुलभाकमं दूनुपं मिमं उल्ल

यपुडिवल्लितभा ॥ पुल्लसुहभनाका सं

मचकासभनामयभा ॥ मदुपुलभाक

सं। मदुमजगुलवायः ॥ मदुमजगु

पगुलेयिः ॥ मदुमजगुपरमगुलमु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु

उभेभु  
उभेभु



नलकुलद्वयः वक्रवलकुलवसिः

५३। ननु ब्रह्म ज्ञानं ब्रह्म प्रत्यक्षं ॥  
 ननु ब्रह्म ज्ञानं ब्रह्म प्रत्यक्षं ॥

नविमलः प्रपुत्रपुत्रः उपपुत्रः







... ..

अडिमुडि : तडडु भडभुदसिसा कनपावद



उति विधेय नमुभवेया रुभान प्रभा उता किमदिभासय

अप्रेतः अपुपुपुः लूनयनदं  
दः ॥ ने इभु रगुं विष्टु ठ सुप्रविनि  
किमेता ॥ सवपुं मय भु उ उगीयं  
अचनिभु उं भि डि डि पुरि प नि ध भु भा पु ॥ ॥  
सुं रुव उ ल प क पा ० क सु उ भा ॥

नउभमपुपुम  
मिपु नउमिपु

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

उदः  
पा०

येषपपभा उतुकाली

नं भुल कार ल भा ॥ ० ॥ इये म सविण  
माउ व रु उतु र वली ॥ क द व न  
सु म सण सु ल भु उ उ म उः ॥ ० ॥

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

उति सी सु रे पू ह रि लु य भा ग भा णि क  
रे उ उ नि उ पं पू स भ भा कि क भा ॥ ० ॥

उि उ उ उ उ उ भा उ भि उ न रु णि मे

व उ भा ॥ डि व पू मे य पू म रं रू क वि लु  
व व भि उ ॥ ० ॥ प व पू म उ भा य वः

भं भा री क भ र व नः ॥ वि सु रि लु पि उ  
सु द मि सु न भ उ उ उ उ ॥ ३ ॥ आ उ उ प

पु ठ व व पू म उ क सु उ प डिः ॥ भा य उ उ

यिलिप  
ला गलि  
भा मे सुरे

मकाभा पतिगो भु उ  
डिपगोप सु गे भ उ उ

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व

येभा क  
मै उ  
उं न  
मद विम  
उक  
व







शिवनामैकैभै ॥

३ ॥ अथ अथर्ववेदस्य शांतिपर्वणम् ॥











10  
यवस्य न च यति कृतान्  
उभयैः सुखं भवति  
नरुतिभ्यः कुववति  
अथ भू स कृतः ३३  
उया भट्टे वे स म कृत उ म कृतः ॥ ७ ॥  
भुवि सुहृ परणय मलया पूरु  
पया विकल क्रियया उ उ सुल वै  
मि हूमि इया ॥ १० ॥ माणाले टुषा  
मैमः सनः भूधुव रुभनाडा विक  
लून न न क गू डू भू सुगडा पमभा ॥ १० ॥  
मज्जम भायं विरुव ३ इवंपरिण  
नतः ॥ विस्वा डून विकल नं पूभो  
पिभय सता ॥ ११ ॥ भयं भाणालं भू  
डूः सुडू रु मे न भट्ट उ ॥ भजे सुरे

यषा वरुः पुनरुडु रु मवडा ॥ १३ ॥  
भवषा डुडु गलीन पतु उ डु प्य निरुः ॥  
मिव सिम न च पनः परभा कृ विरु  
रुः ॥ १४ ॥ एवभा डून भे उ सुभ भूगु  
न क्रिये उषा ॥ एन डु वे पि डा च सुडु  
न डिम कर डिम ॥ १५ ॥ उ डि पू क पि डे  
भया सुप ए प ध मा जे न वे भजा गु  
डिन डु उ भूमि व रु धि स भूय ष ॥  
उ म इ नि म र डू मं डु व न क डू ड भडू  
ने विरु डु मि व डा भयी भनि स भा वि  
म डि सु डि ॥ १६ ॥ उ सुग पू प य मि डे  
य म डू ड डू पू क ग भा  
कै स कृ भ मि डी पि य न ल  
ए न डू डी भि म रा धि न  
गो र भ ड ड ड ड







**NATIONAL MISSION FORMANUSCRIPTS  
MANUS DATA**

DSO 00001 8428

Record No.	Organization / Individual 8428
------------	-----------------------------------

Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection			

Title of the Text	Iśvar pratyābhijñā		
Other Title	(Tatvārth Samgraha)		
Author	Bundle No:.....12	Acc. No./Manuscript No...1094-I	
	No. of Folios.....(1 to 12 fols)	Pages.....	
Commentary	Size of Mss.	18.4cm x 12.6cm	
	Material: <input checked="" type="checkbox"/> Paper/ <input type="checkbox"/> palm leaf/ <input type="checkbox"/> birch-bark/ <input type="checkbox"/> cloth/ <input type="checkbox"/> leather/ <input type="checkbox"/> others		
Commentator	Missing portion	No	
Language	Sanskrit		
	Illustrations	No	
	Complete/ <input checked="" type="checkbox"/> Incomplete		
Script	Condition:	Good/ <input checked="" type="checkbox"/> bad/ <input checked="" type="checkbox"/> brittle/ <input checked="" type="checkbox"/> worm eaten/ <input checked="" type="checkbox"/> Fungus/ <input checked="" type="checkbox"/> Stuck	
Date of Manuscript	Source of Catalogue: <input checked="" type="checkbox"/> Descriptive/ <input checked="" type="checkbox"/> Hand list/ <input type="checkbox"/> Alphabetical/ <input type="checkbox"/> Index card		
Key words	Dars'an		
	Colour of Manuscripts	Cream	
Subject	Saivism		
	Remarks	unstitched	

*[Signature]*  
3.12.05